

Published Date:	22 Jun 2026	Publication:	Rajasthan Patrika (Hindi) [Kolkata]
Journalist:	Bureau	Page No:	9
Circulation:	2,465		

निवेश

विदेशी बिकवाली से सस्ते हुए लार्जकैप, वैल्यूएशन 10 साल के औसत के करीब

रिटर्न में पिछड़े लार्जकैप शेयरों में क्यों फंड मैनेजर्स को दिखने लगा मौका?

पत्रिका न्यूज नेटवर्क

patrika.com

मुंबई. विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली, पश्चिम एशिया संघर्ष, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें, रुपए की कमजोरी और एआई थीम की ओर वैश्विक पूंजी के रुख के कारण इस साल भारतीय शेयर बाजार (बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स) 10% तक गिर चुके हैं। विदेशी निवेशकों ने इस साल अब तक भारतीय शेयरों से 30 अरब डॉलर (2.75 लाख करोड़ रुपए) से अधिक निकाल चुके हैं। चूंकि विदेशी निवेशकों की हिस्सेदारी मुख्य रूप से लार्ज-कैप कंपनियों में होती है, इसलिए सबसे ज्यादा दबाव इन्हीं शेयरों पर पड़ा है। हालांकि फंड मैनेजर्स का मानना है कि यही गिरावट अब निवेश का अवसर भी बन रही है। मिर एसेंट के मुख्य निवेश अधिकारी नीलेश सुराना ने कहा, कई उच्च गुणवत्ता वाली बड़ी कंपनियों के शेयर ऐसे स्तरों पर कारोबार कर रहे हैं, जहां शेयर की कीमतों में गिरावट की वजह कंपनी के फंडामेंटल्स में कमजोरी नहीं, बल्कि विदेशी निवेशकों की बिकवाली है।

वहीं आईसीआईआइएमआई प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड के वरिष्ठ फंड मैनेजर रजत चंदक ने कहा, निफ्टी 50 में शामिल कंपनियों की अगले एक साल की अनुमानित कमाई (फॉरवर्ड पीई रेश्यो) के आधार पर 16-18 गुणा पर कारोबार कर रहा है, जो इसके 10 साल के ऐतिहासिक औसत पीई रेश्यो के आसपास है। यानी लार्जकैप कंपनियों का वैल्यूएशन अब काफी आकर्षक हो गया है। निर्णायक इंडिया के सैलेश राज भान ने कहा, बाजार पिछले ढाई साल से कंसोलिडेशन के दौर से गुजर रहा है जिससे वैल्यूएशन अब सामान्य हो रहे हैं।

लार्ज-कैप में निवेश की रणनीति

विदेशी निवेशकों की बिकवाली के कारण लार्ज-कैप शेयरों के वैल्यूएशन अधिक आकर्षक और उचित हुए हैं।

11.34%

यदि विदेशी बिकवाली कम होती है और मैक्रोइकॉनॉमिक हालात सुधरते हैं, तो वैल्यूएशन में फिर से बढ़ोतरी हो सकती है।

हालांकि इसके समय का अनुमान लगाना मुश्किल है।

वैश्विक अनिश्चितता के दौर में लार्ज-कैप शेयर अपेक्षाकृत अधिक स्थिरता प्रदान करते हैं।

कम लागत वाले पैसिव फंड्स पर विचार किया जा सकता है।

जो निवेशक लार्ज के साथ मिड और स्मॉल-कैप का भी फायदा लेना चाहते हैं, उनके लिए फ्लेक्सिकैप फंड बेहतर विकल्प।

2026 में छोटी कंपनियों से पिये लार्जकैप स्टॉक्स

सेंसेक्स

निफ्टी 50

निफ्टी 100

निफ्टी 500

मिडकैप 150

स्मॉलकैप 250

निफ्टी माइक्रोकैप

-9.84%

-8.16%

-6.10%

-3.05%

3.12%

6.17%

11.34%

निफ्टी 50 का वैल्यूएशन अब आकर्षक

16.06 गुणा

31 मई 2016

18.05 गुणा

मार्च 2017

22.40 गुणा

सितंबर 2024

18.07 गुणा

जून 2026

18.80 गुणा

10 साल का औसत

(एक साल का फॉरवर्ड पीई रेश्यो यानी प्रति शेयर कमाई के मुकाबले शेयरों की कीमत, हालिया गिरावट के बाद निफ्टी का मूल्यांकन अब अपने दीर्घकालिक औसत के आसपास)

अनिश्चित में सुधार दिखना शुरू

टाटा म्यूचुअल फंड के अभिनव शर्मा ने कहा, वर्ष 2025-26 में निफ्टी 50 कंपनियों की आय वृद्धि करीब 8% रही, जो 2024-25 से बेहतर है। वर्ष 2026-27 में 16-17% आय वृद्धि का अनुमान है, हालांकि वेस्ट एशिया संघर्ष लंबा खिंचने पर इसमें कुछ कटौती हो सकती है। पीजीआईएम इंडिया के अनिरुद्ध

नाहा का कहना है कि व्यापक बाजार में उतार-चढ़ाव के बावजूद लार्ज-कैप शेयरों ने स्थिरता दिखाई है। वहीं एएसके इन्वेस्टमेंट मैनेजर्स ने भी अपनी जून रिपोर्ट में कहा कि मजबूत बेलेंस शीट, बेहतर लिक्विडिटी और आय की अधिक स्पष्टता के कारण उनकी पसंद अभी भी लार्ज-कैप शेयर ही हैं।

बैंकिंग और आइटी पर राय

बैंकों और आइटी शेयरों में सबसे ज्यादा एफआईआई बिकवाली हुई है। सैलेश राज भान ने कहा, कई निजी बैंक 1.5 गुना प्राइस-टू-बुक वैल्यू पर उपलब्ध हैं, जबकि उनकी बेलेंस शीट मजबूत है। वहीं आइटी सेक्टर की कई बड़ी कंपनियां 6-7% आर्निंग यील्ड और कमजोर रुपए से बेहतर कमाई की स्थिति में हैं। हालांकि प्रदर्शन इस पर निर्भर करेगा कि कंपनियां एआई का कितना और कैसे लाभ उठाती हैं।

Display: 2/2